तापमान
अधिकतम 29 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .2 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025

11 हर नागरिक कम से कम एक पौधा जरूर लगाए

12 शहीदों की याद में सेक्टर-33 में निकाली राष्ट्रध्वज यात्रा

खबर संक्षेप

तेलियान पुल के पास से गांजा सहित एक काबू

हिसार। शहर थाना पुलिस ने तेलियान पुल के पास से एक व्यक्ति को काबू कर 80 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर तेलियान पुल के पास से एक व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम गांव दाहिमा निवासी वीरेंद्र उर्फ मरोड़ी बताया। तलाशी लेने पर उक्त वीरेंद्र उर्फ मरोड़ी के कब्जे से एक पॉलिथीन की थैली से 80 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

अवैध हथियार सप्लायर गिरफ्तार, जेल भेजा

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने अवैध हथियार देशी पिस्तौल व एक कारतूस सप्लायर चारकुतब गेट निवासी सुरज को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने गत दिनों कृष्णा कालोनी निवासी राहुल को अवैध एक देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस सप्लाई किया था। अवैध पिस्तोल व कारतूस के साथ पकड़े गए आरोपी के खिलाफ थाना शहर हांसी में मामला दर्ज हुआ था। हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करके न्यायिक हिरासत के जेल भेज दिया।

24 बोतल अवैध देशी शराब सहित एक काबू

नारनौंद। थाना नारनौंद पुलिस ने 24 बोतल अवैध देशी शराब सहित एक महिला पम्मी निवासी मोठ रांगड़ान को गिरफ्तार किया गया है। थाना नारनौंद में तैनात एएसआई रेनू ने बताया कि पुलिस ने नारनौंद से एक महिला मोठ रंगरान निवासी को 24 बोतल अवैध देशी सहित गिरफ्तार किया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

आज सुबह 9 बजे मंत्री बेदी हिसार में फहराएंगे तिरंगा

समारोह में सुरक्षा के दृष्टिगत जिले में धारा 163 रहेगी लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिलेभर में आजादी का पर्व 15 अगस्त शुक्रवार को बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस बार जिलास्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में सुबह ठीक 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। इस मौके पर मंत्री बेदी स्वतंत्रता सेनानियों व लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करेंगे। समारोह में सामूहिक पीटी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। उधर, प्रशासन की ओर से स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई है। गिरी सेंटर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दृष्टिगत सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा के दृष्टिगत क्षेत्र को रेड जोन घोषित कर धारा 163 लागू करने के आदेश जारी किए हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी विभागों की बिल्डिंगों को रंग-बिरंगी लाइट से सजाया गया है। गुरुवार की रात्रि को सरकारी भवन तिरंगा लाइट से जगमग कर रहे थे। शहर के चौक चोराहों तथा गिरी सेंटर की तरफ जाने वाले रास्तों को भी भव्य तरीके से सजाया गया था।

हिसार। स्वतंत्रता दिवस पर रंगबिरंगी लाइटों से जगमग करती नगर निगम की बिल्डिंग।

हिसार। तिरंगा यात्रा के दौरान उपस्थित विधायक सावित्री जिंदल व अन्य नागरिक।

सुरक्षा के कड़े प्रबंध

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि समारोह को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। पुलिस द्वारा समारोह स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सघन चैकिंग की जा रही है। साथ ही बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटल, ढाबा, धर्मशाला, गेस्ट हाउस आदि की गहन जांच भी शामिल है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग की जा रही है। पुलिस को संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है।

डीएसपी तनुज शर्मा होंगे नोडल अधिकारी

समारोह के दिन गिरी सेंटर के गेट नंबर 1, 3 और 4 पर नाकाबंदी की जाएगी। यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस उप अधीक्षक तनुज शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। आगंतुकों के लिए फुटबॉल और क्रिकेट मैदान में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। फाइनल रिहर्सल में पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल को आवश्यक निर्देश दिए।

ये जारी किए आदेश

जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों के अनुसार कार्यक्रम स्थल के 2 किलोमीटर के दायरे में लाठी-डंडे, तलवार, गंडासी, अग्नेय सशस्त्र, किसी भी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलने, खुले पेट्रोल-डीजल की बोतल/केन इत्यादि में रखने तथा वीआईपी मार्ग के कार्यक्रम स्थल तथा आसपास के क्षेत्र में बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति के ड्रोन उड़ाने व 75 मीटर के दायरे में सडक़ के दोनों तरफ कोई भी वाहन खड़ा करने को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति इन आदेशों की अवहेलना करते हुए दोषी पाया गया तो कार्रवाई होगी।

हर घर तिरंगा अभियान ने बढ़ाई राष्ट्रीय एकता और गर्व की भावना : सावित्री जिंदल

हिसार। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा हिसार विधायक सावित्री जिंदल के नेतृत्व में शुरू हुई, जिसमें देशभक्ति का जोश देखने को मिला। तिरंगा यात्रा में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा लिए लोग भारत माता की जय व वंदे मातरम के नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर फूल बरसाकर यात्रा का स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान हर नागरिक का गौरव और सम्मान है। तिरंगा हमारी आजादी, एकता और अखंडता का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का संदेश देने का एक माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे 15 अगस्त को अपने घरों पर तिरंगा अवश्य फहराएं। इस अवसर पर एसडीएम ज्योति मित्तल, जिला परिषद सीईओ हरबीर सिंह, सुनीता रेड्ड, जगदीश जिंदल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तालाब में डूबने से युवक की मौत, शव बरामद

- तालाबों के आसपास सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग उठी

बरवाला। कस्बे में हुए एक दर्दनाक हादसे में 33 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। करीब ढाई घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद शव को बाहर निकाला गया।

बरवाला के वार्ड नंबर 4 निवासी मुकेश कुमार गुरुवार दोपहर बाद सरहेड़ा रोड स्थित एक तालाब के पास पहुंचा था। बताया जा रहा है कि वह किसी कारणवश तालाब में उतरा लेकिन पानी की गहराई और अंदर जमी गहरी गाद के कारण फंस गया और बाहर नहीं निकल सका। पास के लोगों ने मुकेश को डूबते देखा तो शोर मचाया। तुरंत स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग व स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम, दमकल वाहन और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने मिलकर तालाब में खोजबीन शुरू की। करीब अढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मुकेश कुमार का शव तालाब की गहरी गाद में फंसा हुआ मिला। शव को बाहर निकालकर पहले बरवाला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से पोस्टमॉर्टम के लिए हिसार के नागरिक अस्पताल भेज दिया गया।

इस हादसे से इलाके में शोक की लहर है और स्थानीय लोगों ने ऐसे तालाबों के आसपास सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

हिसार। युवक का शव निकालते आसपास के लोग।

कांग्रेस विधायक जस्सी पेटवाड़ को जान से मारने की धमकी

- पलवल जिले के गांव मांदकोल निवासी मोहित दुर्गा पर आरोप

नारनौंद। हलके के कांग्रेस के विधायक जस्सी पेटवाड़ को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी गई है। विधायक ने इसकी शिकायत पुलिस को दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई हैं।

विधायक जस्सी पेटवाड़ ने बताया कि 13 अगस्त को फेसबुक पर पलवल जिले के गांव मांदकोल निवासी मोहित दुर्गा ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि तुम आजकल दिग्विजय चौटाला के खिलाफ टिप्पणी कर रहा है जो कि अच्छी बात नहीं है। दोबारा टिप्पणी की तो तुझे जान से मार दिया जाएगा। इसकी शिकायत नारनौंद पुलिस को दे दी है। विधायक ने अपनी शिकायत में कहा है कि धमकी देने वाले मोहित के खिलाफ वर्ष 2015 में बल्लबगढ़ थाने में व 2017 में कैंप पलवल थाने में और 2018 में सदर पलवल में हत्या का केस दर्ज है।

तलवंडी बादशाहपुर ने रोमांचक मुकाबले में चिड़ौद को हराया

हिसार। विजेता टीमों के साथ पुलिस अधिकारी व ग्रामीण।

- तलवंडी बादशाहपुर में पुलिस ने करवाई कबड्डी प्रतियोगिता

हिसार। पुलिस ने गांव तलवंडी बादशाहपुर में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में गांव चिड़ौद, बड़वा और तलवंडी बादशाहपुर की टीमों के बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

युवाओं के वर्ग में फाइनल मुकाबला गांव तलवंडी बादशाहपुर और गांव बड़वा के बीच हुआ। इसमें तलवंडी बादशाहपुर की टीम ने 63-36 के अंतर से जीत दर्ज की। छोटे बच्चों के वर्ग में फाइनल मुकाबला तलवंडी बादशाहपुर और गांव चिड़ौद के बीच खेला गया, जिसमें तलवंडी बादशाहपुर की टीम ने 29-28 से रोमांचक जीत हासिल की। विजेता टीमों को थाना आजाद नगर के प्रबंधक निरीक्षक दलबीर ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में गांव की सरपंच पिंकी, सरपंच प्रतिनिधि चरण सिंह, जगदीश सहारण, कृष्ण तंवर, सुरेश बड़वा, खेल समिति तलवंडी बादशाहपुर के प्रधान बंसीलाल बिश्नोई, कोच मोहित, कोच लक्ष्मण सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

नारनौंद की टीम ने जीती कबड्डी प्रतियोगिता

नारनौंद। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देते हुए थाना प्रभारी बलवान सिंह व अन्य।

- विजेता खिलाड़ियों को थाना प्रभारी ने दिए पुरस्कार

नारनौंद। नशा मुक्ति अभियान के तहत नारनौंद के डीएसपी देवेंद्र नैन व थाना प्रभारी बलवान सिंह ने खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए नारनौंद में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। अनेक खिलाड़ियों ने अपने दाव पेंच दिखाए।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। डीएसपी नारनौंद देवेंद्र नैन ने बताया कि युवाओं को नशे से दुर रखने व खेलो के प्रति प्रेरित करने के लिए नारनौंद के राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सैकेडंरी स्कूल में कब्बड्डी प्रतियोगिता करवाई। इसमें कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मैच में नारनौंद व माजरा की टीम के बीच कांटेदार मुकाबला हुआ। जिसमें नारनौंद की टीम ने फाइनल मैच में माजरा की टीम को एक अंक से हराकर कर जीत हासिल की। सभी युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और अपने आस पास के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ ली।

झांकियां तैयार | मंदिरों में जन्माष्टमी पर्व की तैयारियां अंतिम चरण में

शहर के मंदिरों में की जा रही विशेष साज-सज्जा का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जन्माष्टमी पर्व 16 अगस्त को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। जन्माष्टमी पर्व को देखते शहर के मंदिरों की विशेष साज-सज्जा की जा रही है। मंदिरों में देवी-देवाताओं की सुंदर झांकियों को तैयार करने के लिए कलाकार कई दिनों से जुटे हैं। उधर, जन्माष्टमी की तैयारियों बाबा प्रयागगिरी शिवालय मंदिर पड़ाव ट्रस्ट चौक पर तैयारियां अंतिम चरण में है।

जन्माष्टमी पर शिवालय मंदिर ट्रस्ट व पीजीएसडी शिक्षा संस्थान के प्रधान बजरंग गर्ग व अन्य प्रतिनिधि ने मंदिर में चल रही तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर प्रधान गर्ग ने कहा कि 16 अगस्त को भव्य रूप से शिवालय मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव मनाया जाएगा है। बजरंग गर्ग ने कहा कि हजारों लोग परिवार सहित मंदिर में दर्शन के लिए आएंगे। उधर, श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर, गली नम्बर 2 जवाहर नगर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव 16 अगस्त को सायं 7:30 बजे से धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर समिति के प्रधान इन्द्रचंद राठी ने बताया कि ईशू ग्रुप द्वारा आकर्षक व सजीव झांकियां तैयार की जाएंगी। एकता ग्रुप की देखरेख में नृत्य का कार्यक्रम होगा। इस बार झांकियों में छोटे-छोटे बच्चे अपनी प्रतिभा के साथ अनूठे रुप में नजर आएंगे।

हिसार। तैयारियों का जायजा लेते शिवालय मंदिर ट्रस्ट व पीजीएसडी शिक्षा संस्थान के प्रधान बजरंग गर्ग।

पुलिस बल की तैनाती की जाएगी

जन्माष्टमी पर्व को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन ने हर स्थिति से निपटने के लिए पुख्ता तैयारी की है। शहर के भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों तथा मंदिरों के आस-पास भारी पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। मंदिरों में महिला पुलिस की भी तैनाती की जाएगी। इसके अलावा मंदिरों के अंदर तथा बाहर असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने के लिए सादी वर्दी में पुलिस कर्मियों को ड्यूटी पर लगाया जाएगा।

बच्चो, भारत को आजादी एक लंबे संघर्ष के बाद, कितने ही स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद मिली। स्वतंत्रता दिवस एक अवसर है, आजादी के वीर सेनानियों को याद करने का। इनसे प्रेरणा लेने का। यह दिवस हमें इस बात के लिए भी जागरूक करता है कि हम देश के प्रति अपने दायित्वों को समझें और एकता के सूत्र में बंधकर इसे मजबूत बनाएं।

प्यारा-न्यारा राष्ट्रीय पर्व हमारा स्वतंत्रता दिवस

आह्वान
डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, यह तो तुम जानते ही हो कि स्वतंत्रता दिवस हमारा प्यारा राष्ट्रीय पर्व है। वह दिन जब हमारे देश को आजादी मिली थी। बच्चो, राष्ट्रीय मसले हों या व्यक्तिगत, अपने फैसले खुद लेने और स्वतंत्र रह कर जीने की भावना अनमोल होती है। स्वतंत्रता अपने साथ बहुत सारी जिम्मेदारियां भी लाती है। यह पर्व, देश को आजाद करवाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष की भी याद दिलाती है। यह भावना स्वतंत्रता का मोल तो समझाती ही है, अपने देश से जुड़े रहना भी सिखाती है। अपने भीतर देशप्रेम की भावना जगाती है।

देश हमारा घर: बच्चो, जैसे देश के आंगन में हम सबका अपना-अपना एक घर होता है, वैसे ही दुनिया के नक्शे पर भारत हम सबका घर है। यह हम सबका सुंदर-सा बसेरा है, हमारा शेयर्ड स्पेस। अपने इस घर में मिल-जुलकर रहना सबसे प्यारी बात है। एक-दूसरे से जुड़कर अपने देश को आगे ले जाने की सोच बहुत जरूरी है। बच्चो, किसी भी देश के नागरिक ही उसकी ताकत होते हैं। वहां के नागरिक ही मिलकर अपने राष्ट्र का भविष्य बनाते हैं। तुम भी इस देश के भावी नागरिक हो। बहुत ही जिम्मेदारियां तुम्हें भी निभानी होंगी। इसीलिए यह कभी ना भूलो कि अपने देश को अपना घर समझने की सोच से हर दायित्व निभाना आसान हो जाता है।

स्वतंत्रता का सफर: बच्चो, आज पंद्रह अगस्त को हमारा देश 79वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है।

यह संघर्ष का एक लंबा सफर रहा है। हर फ्रंट पर आगे बढ़ने की यह जर्नी बहुत मुश्किलों से भरी रही है। इस यात्रा में नागरिकों ने मुश्किलों के समय साहस दिखाया और एक दूसरे के प्रति प्रेमभाव भी रखा। गर्व करने के पल भी आए। दुनियाभर में हमारे प्यारे तिरंगे का मान बढ़ा। बच्चो, देश की उन्नति में हर नागरिक की भूमिका अहम होती है। तुम्हें भी बड़े होने पर किसी ना किसी मोर्चे पर डटना होगा। अपनी मातृभूमि से प्यार का मतलब यही है कि हम उसकी बेहतरी और विकास के लिए काम करें। विश्व में अपने देश का मान बढ़ाएं। पूरी दुनिया में भारत सबसे न्यारा और प्यारा देश है। भारत की रंग-बिरंगी संस्कृति और दुनिया को हैरान करने वाले हेरिटेज कमाल के हैं। अपने देश के आंगन के इन रंगों की अनमोल विरासत को सहेजने की सोच भी हम सबके लिए जरूरी है।

जिम्मेदार बनना होगा: बच्चो, लंबे संघर्ष के बाद मिली आजादी को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार बनना भी आवश्यक है। बात अपने देश के झंडे और राष्ट्रगान जैसे प्रतीकों का सम्मान करने की हो या छोटे-छोटे नियमों के फॉलो करने की। साफ-सफाई को लेकर अवेयर रहना हो या अपनी संस्कृति से जुड़ना। ऐसी बहुत सी बातों को लेकर हमें जिम्मेदारियां लेनी होंगी। सबके साथ प्यार इक्वेलिटी से रहने वाली जीवन शैली अपनानी होगी। पेड़ लगाना, पशु-पक्षियों का ध्यान रखना, अपने बड़ों और टीचर्स का सम्मान करने की समझ रखनी होगी। बच्चो, अभी से तकलीफ में एक-दूसरे की मदद करना और

खुशियों को मिलकर सेलिब्रेट करना सीखना होगा। यह विश्वास और अपनापन पूरे देश को जोड़ने वाला लिंक है। बच्चो, अच्छी आदतें अपनाना जिम्मेदार बनने का पहला कदम है। अपने देश को प्यार करने का सुंदर तरीका अपनी जिम्मेदारियों को निभाना ही तो है।

एकता के सूत्र में बंधो: एक परिवार के सदस्य की तरह देश में भी सिचुएशंस हों, खुद अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी के साथ निभाकर ही देश को संवारा जा सकता है। बच्चो, इस बात को समझना चाहिए कि जाति-धर्म, ऊंच-नीच की भावना से ऊपर उठकर हम सब भारतीय हैं। इस पर गर्व करते हुए हमें एक घर के सदस्य की तरह हमारी एकता के सूत्र में बंधे रहना चाहिए, यह देश की मजबूती के लिए जरूरी है।

सबसे ऊपर हो मातृभूमि के मान का जज्बा: बच्चो, अपनी धरोहर को सहेजने की ड्यूटी निभाना, हर नागरिक को देश की गरिमा और स्वाभिमान से जोड़े रखता है। हमारा यह जुड़ाव देश की नींव को मजबूती देता है। बच्चे तो हर देश की शान और जान होते हैं। अपने देश का भविष्य होते हैं। इसीलिए किसी भी तरह की कटुता या नकारात्मकता से हमेशा दूर रहो। तुम सबके मन में अपनी मातृभूमि का मान करने का जज्बा सबसे ऊपर होना चाहिए।

आजादी एक अनमोल विरासत: हमारी आजादी एक अनमोल विरासत है। हंसी-खुशी से जीने की यह सिचुएशन हमें यूं ही नहीं मिली है। इसीलिए देश पर अपना जीवन कुर्बान करने वाले वीर जवानों को सदा सम्मान दो। आजादी के उत्सव में शामिल होना ना भूलो। देशभक्ति के गीत गाओ। तिरंगे को दिल से सैल्यूट करो। *

स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र साबरमती आश्रम

बच्चो, हमारे देश में अनेक ऐसे ऐतिहासिक स्थल हैं, जिनका भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से गहरा संबंध रहा है। ऐसे ही एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल, साबरमती आश्रम के बारे में जानो।

ऐतिहासिक स्थल
नयनतारा

बच्चो, भारत की आजादी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गांधी जी ने सत्य, अहिंसा को हथियार बनाया और अंग्रेजों से लोहा लिया। महात्मा गांधी की कर्मभूमि थी साबरमती आश्रम। बच्चो, तुम्हें इस ऐतिहासिक स्थल के बारे में जरूर जानना चाहिए। जब कभी भी तुम्हें मौका मिले तो इस ऐतिहासिक स्थल को देखने जरूर जाओ। यहां तुम्हें महात्मा गांधी के जीवन, उनके संघर्ष और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी।

कहां स्थित है: साबरमती आश्रम को गांधी आश्रम के नाम से भी जाना जाता है। यह आश्रम गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे स्थित है। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से कैब लेकर 15-20 मिनट में वहां पहुंचा जा सकता है। पर्यटकों के लिए यह सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है। साबरमती आश्रम में प्रवेश निःशुल्क है।

आश्रम के संग्रहालय में रखा बापू का चरखा

महात्मा गांधी की कर्मभूमि: यह आश्रम लगभग 12 वर्षों तक गांधी जी का निवास था। यह स्थल अंग्रेजों के विरुद्ध उनके अहिंसात्मक आंदोलन का केंद्र रहा था। इस आश्रम में तुम्हें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में बहुत-सी जानकारियां मिलेंगी।

क्या-क्या है आश्रम में: पूरा साबरमती आश्रम दर्शनीय है, साथ ही यह स्वतंत्रता आंदोलन को समझने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस आश्रम में एक संग्रहालय भी है, जिसे गांधी स्मारक संग्रहालय के नाम से जाना जाता है। इस संग्रहालय में महात्मा गांधी से जुड़ी कई वस्तुएं, जैसे- चरखा, गांधी जी के पत्र, किताबें आदि रखी गई हैं। आश्रम में पेंटिंग्स और चित्र भी डिसप्ले किए गए हैं, जो गांधी जी के जीवन व दर्शन के बारे में बताते हैं।

और भी बहुत कुछ है दर्शनीय: यह आश्रम साबरमती नदी के किनारे स्थित है, इसलिए आश्रम से नदी का शांत-सुंदर नजारा भी देखने को मिलता है। यहां अनेक ऐसी जगहें हैं, जो तुम्हें प्रभावित करेंगी, जैसे- हृदय कुंज, जहां गांधी जी अपनी पत्नी कस्तूरबा के साथ रहते थे। उपासना मंदिर, जहां गांधी जी प्रार्थना करते थे। इसके अलावा विनोबा कुटीर भी है, जहां गांधीवादी विचारक विनोबा भावे कुछ समय के लिए रुके थे। *

आश्रम में जाएं तो रखें इन बातों का ध्यान

साबरमती आश्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए यहां सौम्य वस्त्र पहन कर जाना चाहिए। यहां ऊंची आवाज में बात या शोर करने से बचना चाहिए और शांति बनाए रखना चाहिए। आश्रम में निःशुल्क फोटो खींचने और वीडियो बनाने की अनुमति है, लेकिन इस दौरान भी शालीनता का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की कहानी

बच्चो, यह तो तुम जानते ही हो कि हमारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' है। यह किताब इसी गीत की कहानी कहती है। इस किताब में विस्तार से बताया गया है कि 'वंदे मातरम' का जन्म कैसे हुआ? यह कैसे प्रचलन में आया? उस समय हमारे देश में क्या माहौल था? आखिर इस गीत में ऐसा क्या था कि यह उस दौर के बच्चे और बूढ़े हर किसी की जुबान पर चढ़ गया? इस किताब में तुम 'वंदे मातरम' गीत के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की जीवनी भी पढ़ सकते हो। पूरी किताब रंगीन चित्रों से सजी है। इनमें बहुत से स्वाधीनता सेनानियों और महापुरुषों के चित्र भी दिए गए हैं। साथ ही पूरे-पूरे पृष्ठ पर इतिहास की बहुत सी घटनाएं भी चित्रों में उकेरी गई हैं। किताब के आवरण पर बंकिम दा का एक सुंदर चित्र है। बच्चो, यह किताब तुम्हें जरूर पढ़नी चाहिए। *

किताब: कहानी 'वंदे मातरम' की, **लेखक:** मिलिंद प्रभाकर सबनीस, **अनुवाद:** नितिन वैद्य, **मूल्य:** 110 रुपए, **प्रकाशक:** राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

जानो देश के राष्ट्रीय प्रतीक

जानकारी

राष्ट्रीय ध्वज: तिरंगा, जिसमें तीन रंग की पट्टियां हैं- केसरिया, सफेद और हरा। इसके मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र है।
राष्ट्रीय पक्षी: भारतीय मोर, जो अपने सुंदर पंखों और नृत्य के लिए प्रसिद्ध है।
राष्ट्रीय पशु: रॉयल बंगाल टाइगर, जो अपनी ताकत और सुंदरता के लिए जाना जाता है।
राष्ट्रीय फल: आम, जो भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है और बहुत स्वादिष्ट होता है।
राष्ट्रीय वृक्ष: बरगद का पेड़, जो विशालता, शाश्वतता और दृढ़ता का प्रतीक है।
राष्ट्रीय फूल: कमल, जो पवित्रता और सुंदरता का प्रतीक है। *

जीके क्विज-166

1. आज हम सब कौन-सा (क्रमानुसार) स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं?
2. ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला बड़ा सशस्त्र विद्रोह कब हुआ था?
3. असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?
4. भारत छोड़ो आंदोलन कब शुरू हुआ था?
5. अंग्रेजों के विरुद्ध फॉरवर्ड ब्लॉक और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) की स्थापना किसने की थी?
6. किस स्वाधीनता सेनानी को 'लोकमान्य' की उपाधि दी गई थी?
7. स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर कौन थे?
8. स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री कौन थे?
9. भारत का राष्ट्रगान किसने लिखा है?
10. किस भारतीय क्रांतिकारी को 'शहीद-ए-आजम' के नाम से जाना जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-166 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-165 का उत्तर : 1 रानी मुखर्जी, 2.रेखा गुप्ता, 3.कानपुर और लखनऊ, 4.इंडोनेशिया में, 5.रवींद्रनाथ टैगोर, 6.चार्ल्स फ्रीर एंड्रयूज, 7.सारनाथ में, 8.परम 8,000, 9.रॉन्टजेन, 10.भूकंप की तीव्रता

जीके क्विज-165 का सही उत्तर देने वाले : स्वप्निल-रायगढ़, सौम्या-रायगढ़, सौरभ-बिलासपुर, कबीर-हिसार, आर्यन-बालोद, सुनिधि-रायपुर, शुभम-कटनी, दीपिका-रोहतक, जितेन-दिल्ली, अंकिता-भोपाल, कुसुम-धमतरी

कहानी
नागेश पांडेय 'संजय'

सौरभ अपने नाना जी की तबीयत खराब होने के कारण स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले उनके गांव आ गया था। स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए वह अपने ममेरे भाई के स्कूल में चला गया। स्कूल में सौरभ के साथ जो व्यवहार हुआ, वह कभी ना भूलने वाला था। ऐसा क्या हुआ सौरभ के साथ?

अनोखा स्वतंत्रता दिवस

'उठो भी सौरभ बेटा, आज पंद्रह अगस्त है।' मम्मी ने सौरभ को जगाया।

'अरे! मम्मी, पता है मुझे। लेकिन आज कोई स्कूल थोड़े ही जाना है। आप भी न..!' सौरभ कुनमुनाते हुए बोला।

मम्मी ने तीसरी बार जब सौरभ को कस कर हिलाया तो वह खीझ उठा। ऐसा भी नहीं कि सौरभ पंद्रह अगस्त को स्कूल नहीं जाता था। जाता था, हमेशा जाता था। उसे पता है, पंद्रह अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इसी दिन अपना देश आजाद हुआ था। जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, देश के लिए कुर्बानियां दीं, उन्हें इस दिन याद करते हैं, उनके लिए सिर झुकाते हैं। स्कूल में भाषण होते हैं। नाटक खेला जाता है। गीत गाया जाता है। पिछले साल उसने भी तो गीत गाया था, उसे फर्स्ट प्राइज मिला था। भला मिलता भी क्यों न? उसने ऐसे ही थोड़े गाया था। साज और संगीत के साथ गाया था। सिराज ने पियानो बजाया था। मोनिका ने ढोलक। सार्थक, शिव और रिद्धि ने भी उसके सुर में सुर मिलाया था। गीत क्या, जैसे जादू था। सब उसे सुनकर मगन हो गए थे। आज भी याद है उसे वह गीत, 'आजादी के पावन दिन की, आओ सुनो कहानी/ कितनी मुश्किल से हम सबने, पाई थी आजादी/ जीता था गांधी का चरखा, जीत गई थी खादी/ अंग्रेजों के मंसूबों पर, खूब फिरा था पानी/ आजादी के पावन दिन की, ऐसी अजब कहानी।'

सौरभ ने करवट बदली। जम्हाई भरी। उठ कर बैठ गया। जोर से अंगड़ाई ली फिर अनमना सा बोला, 'मम्मी, आपने नींद खराब कर दी।'

मम्मी ने फिर वही वाक्य दोहराया, 'अरे! आज पंद्रह।' बीच में ही सौरभ विस्मित स्वर में बोल उठा, 'हां, हां, आज पंद्रह अगस्त है। लेकिन क्या आप भूल गई हैं कि हम लोग आज अपने घर पर नहीं हैं। नाना के घर पर हैं। यहां क्या मुझे स्कूल जाना है?'

कल मम्मी सौरभ को लेकर यहां आ गई थीं। जैसे ही खबर मिली कि नाना जी बहुत बीमार हैं। एडमिट हैं। वे उसे लेकर तुरंत यहां भागीं। सबसे मिल कर नाना की हालत में थोड़ा सुधार भी हुआ था। मम्मी देर रात तक जागी थीं। उनका चेहरा भी किसी बीमार से कम नहीं लग रहा था। उन्होंने सौरभ के गाल पर प्यार से चपत लगाते हुए, उसके सवाल का जवाब दिया, 'क्यों नहीं जा सकता स्कूल? अभी वीनू स्कूल के लिए तैयार हो रहा है। उसके स्कूल चले जाना। पंद्रह अगस्त के कार्यक्रम में वहां शामिल हो लेना। तेरे पापा कहीं बाहर होते हैं, तब भी तो पंद्रह अगस्त के फंक्शन को अटेंड करने जाते हैं न।' सौरभ के पापा इंटेलिजेंस अफसर हैं। कई बार ऐसा हुआ कि उनकी ड्यूटी अचानक बाहर लग गई, लेकिन उन्होंने पंद्रह अगस्त का आयोजन कभी भी मिस नहीं किया। जहां गए, वहीं शामिल हुए। कभी टीवी पर 'जन गण मन' की धुन भी सुनाई दे जाए तो वे सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाते हैं। सौरभ को याद आया, उन्होंने ही तो स्कूल के लिए देशप्रेम का गीत याद कराया था।

अब तो सौरभ की नींद ही नहीं, आलस भी गायब हो चुका था।

वह जल्दी से उठा और तैयार हो गया। ममेरे भाई वीनू के साथ उसके स्कूल गया। वीनू के स्कूल प्रिंसिपल सर को जब सारी बात पता चली तो वह बहुत खुश हुए। उन्होंने सौरभ को चीफ गेस्ट के बगल में बैठाया। उसे आज का नन्हा चीफ गेस्ट कहा गया। सब बच्चे उसे ही देख रहे थे।

प्रिंसिपल सर ने जब अपने भाषण में उसकी तारीफ करते हुए कहा, 'देश को सौरभ जैसे राष्ट्रप्रेमी बच्चों की जरूरत है। हमें सौरभ पर गर्व है। अपने देश के लिए यही जज्बा होना चाहिए। जब भी अवसर हो, हम देश के लिए अपना समय दें। हम अपने देश का दिल से सम्मान करें। उसके हर त्योहार का सम्मान करें। देश के हर राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान करें।'

सौरभ के लिए खूब तालियां बजीं। सौरभ जानता था कि इन तालियों की असली हकदार मम्मी हैं, जिन्होंने उसे यहां भेजा था।

कार्यक्रम समाप्त हुआ तो घर पहुंचने के लिए सौरभ के कदमों में खासी तेजी थी। उसे अपनी मम्मी के गले लगकर उन्हें थैंक यू जो बोलना था। *

कविता
सूर्यकुमार पांडेय

भारत की पहचान तिरंगा

आन-बान है, शान तिरंगा,
भारत की पहचान तिरंगा।
नगर-नगर में, डगर-डगर पर,
गांव-गली में, सीमाओं पर।
लहर-लहर कर,
फहर-फहर कर,
देशभक्ति भरता है घर-घर।
है उत्सव, अभियान तिरंगा।
हम सबका अभिमान तिरंगा।
भारत की पहचान तिरंगा।
आजादी वाला यह परचम,
तीन रंग का है यह संगम।
शौर्य, शांति, हरियाली के संग,
चक्र प्रगति का घूमे हरदम।
हम सब का अरमान तिरंगा।
रहता सीना तान तिरंगा।
भारत की पहचान तिरंगा।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां स्वतंत्रता दिवस सेलिब्रेशन से जुड़े दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिखने वाले इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम इन चित्रों को गौर से देखो और फटाफट ये पांचों अंतर बताओ।

उत्तर: 1.बैकग्राउंड में दिख रही बिल्डिंग्स के रंग बदले हुए हैं। 2. तीन की बजाय पांच बच्चे दिख रहे हैं। 3.बाईं तरफ हाथ में तिरंगा थामे लड़के की पगड़ी का रंग बदला हुआ है। 4.बीच में खड़ी लड़की के हाथ में तिरंगा नहीं है। 5. चार के बजाय पांच हॉट एयर बैलून दिख रहे हैं।

रास्ता खोजो

बच्चो, सोनू को इंडिपेंडेंस-डे सेलिब्रेट कर रहे अपने दोस्तों के ग्रुप में शामिल होना है, लेकिन उन तक पहुंचने का रास्ता जरा टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम सोनू को उसके दोस्तों तक पहुंचने का रास्ता बताने में मदद तो करो जरा।

बिजली निगम के कर्मचारी मरम्मत कार्य में जुटे

जमावड़ी में गिरा बिजली ट्रांसफार्मर और खंभे, तारें टूटी, सप्लाई ठप

एक साथ कई खंभे गिरने से बिजली की तारें आस पास के घरों के आंगन व गेट पर जा गिरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हांसी। जमावड़ी गांव में ट्रांसफार्मर के साथ गिरे बिजली के खंभे व मकान के गेट व आंगन में गिरी बिजली की तारें।

उपमंडल में गुरुवार सुबह से हो रही लगातार बरसात के चलते जहां हांसी क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त नजर आया वहीं नजदीकी गांव जमावड़ी में तेज बारिश और तेज हवा के कारण बिजली के कई खंभे और एक ट्रांसफॉर्मर जमीन पर गिर गया।

ट्रांसफॉर्मर और बिजली के खंभे गिरने से बिजली की तारें टूट गईं, जिससे गांव की सप्लाई पूरी तरह बाधित हो गई। वहीं एक साथ कई खंभे गिरने से बिजली की तारें आस पास के घरों के आंगन व गेट पर जा गिरी। लेकिन गनीमत रही कि बरसात के चलते बिजली सप्लाई बंद थी अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि पोल और ट्रांसफॉर्मर गिरने की जोरदार आवाज आई, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ी अनहोनी हो सकती थी। गांववासियों ने बताया कि गांव में लगे बिजली पोल पुराने व जर्जर होने के चलते बरसात में हर समय पोल और तार गिरने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बिजली निगम से पुराने और जर्जर खंभों को जल्द बदलने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों। वहीं गांव में बिजली ट्रांसफार्मर व खंभे गिरने की सूचना मिलने पर बिजली निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बिजली ट्रांसफॉर्मर को बदलने व खंभे लगाने का कार्य शुरू किया। निगम कर्मचारियों के अनुसार, क्षतिग्रस्त पोल और ट्रांसफॉर्मर को बदलने का कार्य जारी है और जल्द ही गांव की बाधित बिजली सप्लाई को बहाल कर दिया जाएगा।

रॉयल स्कूल खारा खेड़ी में जन्माष्टमी उत्सव की धूम

हिसार। रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खारा खेड़ी में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गांव गोरखपुर के सरपंच मनदीप योगी उपस्थित रहे। योग विज्ञान में पीएचडी. धारक, छह बार नेट उत्तीर्ण, जे.आर.एफ. अवार्डी तथा महेन्द्रगढ़ विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर रह चुके सरपंच योगी वर्तमान में भूना मंडल, भाजपा के अध्यक्ष के रूप में सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम सुथार, एचडीएफसी के डेप्यूटी मैनेजर संजय भारद्वाज, दयानंद तंवर तथा प्रमोद भी मौजूद रहे। स्कूल प्रबंधन की ओर से स्कूल डायरेक्टर डॉ. ज्योत्स्ना, प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल (डॉ.) डीवी नेहरा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन कक्षा नौवीं की छात्राओं अंतिका और निहारिका द्वारा किया गया। हिंदी भाषण लावण्या तथा अंग्रेजी भाषण भाविका द्वारा प्रस्तुत किए गए। नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने श्रीकृष्ण जी की वेशभूषा में मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं। आराध्या के एकल गीत ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद क्रमशः पहली, दूसरी और तीसरी कक्षा के बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं।

श्री गुरु जम्भेश्वर जन्माष्टमी महोत्सव कल

हिसार। बिश्नोई सभा हिसार की ओर से 16 अगस्त को मंदिर प्रांगण में श्री गुरु जंभेश्वर जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। बिश्नोई सभा हिसार के प्रधान जगदीश चंद्र कड़वासरा ने बताया कि बिश्नोई सभा, हिसार 1945 से भादव बदी अष्टमी के दिन श्री गुरु जंभेश्वर भगवान का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाती आ रही है। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त की शाम को सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन रखा गया है, जिसमें सभी धर्म प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। 16 अगस्त को सुबह 6:30 बजे हवन यज्ञ का आयोजन होगा एवं इसके बाद 9 बजे ध्वजारोहण के साथ धार्मिक प्रवचन का कार्यक्रम रहेगा। सुबह 10 बजे समाज की प्रतिभाओं को सभा द्वारा सम्मानित किया जाएगा। 11 बजे मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत होगी जिसमें बिश्नोई रत्न कुलदीप बिश्नोई मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचेंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के प्रधान हुकमाराम खिचड़ करेंगे। जगदीशचंद्र कड़वासरा ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम में पब्बाराम बिश्नोई, रणधीर पनिहार, अभिमन्यु पूनिया, दूड़ाराम, भव्य बिश्नोई, डॉ. कमल गुप्ता, नरसीराम बिश्नोई, बलदेव राज कंबोज, किशनाराम बिश्नोई, डा. एलआर बिश्नोई, प्रवीण पोपली, गौतम सरदाना, परसराम खोखर, रामस्वरूप मांझू, आशा खेदड़ एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

हर नागरिक कम से कम एक पौधा जरूर लगाए और संजोए : एसडीएम

हांसी। हांसी व गढ़ी ब्लॉक की साध संगत ने बृहस्पतिवार को गांव ढाणी बुखारी में गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां के जन्मदिन पर व्यापक पौधरोपण अभियान चलाते हुए हरियाली का नया संदेश दिया। अभियान के तहत करीब 2000 पौधों को गांव के नवनिर्मित जलघर परिसर में रोपा गया और 500 पौधे ग्रामीणों को वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एसडीएम हांसी राजेश खोथ ने म्हारी हरी-भरी हांसी पहल के तहत स्वयं भी पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। पौधरोपण कार्यक्रम में गांव जग्गा बाड़ा के सरपंच सुरजीत गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि धरती के लिए पौधारोपण सबसे बड़ा उपहार है। जुलाई और अगस्त माह पौधे लगाने के लिए सर्वश्रेष्ठ समय होते हैं। उन्होंने अपील की कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए, क्योंकि इसका लाभ पूरी मानवता को मिलता है। इस मौके पर मोहनलाल,वकील जगदीप बामल, वीरेंद्र कुलाना, राजकुमार वर्मा, गुलशन नागपाल, जिले सिंह, बलवान सिंह, संदीप सिंह सहित भारी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद रहे और अभियान को सफल बनाया।

गुजवि में पहली बार नेशनल लाइब्रेरियन डे मनाया

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डा. बीआर अम्बेडकर पुस्तकालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में भारत के महान पुस्तकालय विज्ञानी डॉ. एसआर रंगनाथन की जयंती पर नेशनल लाइब्रेरियन डे उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह आयोजन विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि वर्ष 2023 में विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की स्थापना के बाद यह पहला अवसर था, जब इस दिवस को औपचारिक रूप से मनाया गया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने डॉ. रंगनाथन के जीवन, सिद्धांतों और योगदान पर अपने बहुमूल्य विचार व्यक्त किए। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र चौहान ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. रंगनाथन के अद्वितीय योगदान पर प्रकाश डाला।

राजकीय महिला कॉलेज में एंटी रैगिंग विषय पर प्रतियोगिताएं आयोजित

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय में एंटी रैगिंग सेल की ओर से एंटी रैगिंग विषय पर पोस्टर बनाओ व नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एंटी रैगिंग कमेटी प्रभारी डॉ. नीलम दहिया ने की। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आठ छात्राओं ने तथा नारा लेखन प्रतियोगिता में 14 छात्राओं ने भाग लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका विपिन बब्बर, डॉ. अनीता तनेजा और हिना पाहुजा शामिल रहे। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा सिमरन ने प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा अंशु ने द्वितीय तथा बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नारा लेखन प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा सिमरन ने प्रथम, मेघा बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा ने द्वितीय तथा अंजू रानी बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

'देव' का अर्थ है देने वाला, माता-पिता, गुरु, प्रकृति देव तुल्य : डॉ. वेदपाल

हिसार। आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक नागोरी गेट में चल रहे वेद प्रचार सप्ताह के चौथे दिन श्रावणी उपाक्रम का प्रारंभ संसार के सर्वश्रेष्ठ कर्म यज्ञ से हुआ। चौथे दिन यज्ञ के यज्ञमान राधेश्याम मित्तल व गीता मित्तल, वेदांकुर आर्य व निशा आर्य, राजवीर आर्य, सुरेंद्र रावल तथा श्याम सुंदर थे। यज्ञ का संपादन आर्य समाज के पुरोहित धर्माचार्य कर्मवीर शास्त्री ने किया। इस दौरान डीएवी स्कूल के बच्चों ने सुंदर भजन प्रस्तुत किया। डॉ. वेदपाल ने अपने प्रवचन में कहा कि 'देव' शब्द से जड़ एवं चेतन दो प्रकार के पदार्थों का बोध होता है। 'देव' का अर्थ है देने वाला, प्रकाश करने वाला, दूसरों को प्रकाश प्रदान करने वाला। हमारे माता-पिता हमें शरीर प्रदान करने के कारण देव हैं। गुरुजन अज्ञान अंधकार को दूर कर प्रकाश प्रदान करते हैं इसलिए ये भी देव हैं। वृक्ष, वनस्पति, जलादि हमारे जीवन का आधार होने से देव हैं। इनका यथायोग्य सत्कार करना, इनका संरक्षण करना इनकी पूजा है। इस अवसर पर संगीतज्ञ आचार्य पंडित कुलदीप आर्य ने मधुर गीतों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को भाव विभार कर दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से देवेंद्र सिंह सैनी प्रधान, नरेंद्र पाल मिगलानी मंत्री, बलराज मलिक कोषाध्यक्ष, गोपीचंद आर्य, नंद लाल चौपड़ा, राजकुमार आर्य, जयवीर, कुलदीप ग्रोवर, रेखा सैनी आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार

हिसार। सदर थाना पुलिस ने गांव बालावास के निकट स्थित पेट्रोल पंप से ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के मामले में आरोपी भिवानी के बिरन निवासी अमर को गिरफ्तार कर चोरीशुदा ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद की है।मुख्य सिपाही विजय कुमार ने बताया कि 13 अगस्त को गांव कंवारी निवासी राजेश ने शिकायत दी थी कि उसका पावरट्रैक ट्रैक्टर व ट्रॉली गांव बालावास के पास स्थित पेट्रोल पंप से चोरी हो गई है। शिकायत पर सदर पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी अमर को काबू कर चोरीशुदा ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद कर ली। उसे पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कृष्ण खटाना एडवोकेट बने संरक्षक

हिसार। पड़ाव गुजरान वासियों की एक बैठक गुरुवार पड़ाव चौक स्थित गुज्जर-अहीर धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक में माता चोगान सेवा समिति ट्रस्ट का गठन किया गया। बैठक में सर्वसमिति से संस्था के पदाधिकारियों की नियुक्तियां भी की गई। इसमें कृष्ण खटाना एडवोकेट को संरक्षक बनाया गया हैं। प्रधान महेंद्र हाकला, उप प्रधान चंद्र पाल शर्मा, महासचिव मनोज वर्मा, सचिव नरेश खटाना, कोषाध्यक्ष कृष्ण कालिया, प्रेस सचिव सुरेंद्र गोरस व सलाहकार रोशन बनाया गया है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अनिल वर्मा, प्रदीप हाकला, यसपाल वर्मा, विनोद कोहली, सुभाष सैन, सुमित यादव, हंस राज, सतनारायण सत्तू, विजय वर्मा, कपूर सींग वर्मा, विनोद ठाकुर, राजेंदर कालिया, संदीप यादव शामिल हैं।

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि The Ashok Co-operative house building society Ltd. Barwala का प्लाट no- 60, Mrs. Chand Kiran kakar w/o Rajan kakar निवासी वार्ड नंबर 9, बरवाला, जिला हिसार, हरियाणा का शेयर सर्टिफिकेट गुम / खो गया है या मिल नहीं रहा है। इस संबंध में डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने के लिए आवेदन उक्त सोसाइटी में प्रस्तुत किया गया है। कोई भी व्यक्ति जिसे इस संबंध में कोई आपत्ति हो। वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर सोसाइटी को सूचित करें। शेयर धारक-Mrs. Chand Kiran kakar, स्थान- बरवाला, तारीख-13.8.2025 मो- 94165- 46879, 95182- 54404 प्रधान/ सचिव The Ashok co-operative house building society limited Barwala (Hisar)

चंद घंटों की बरसात से शहर जलमग्न, हर तरफ नजर आया पानी

करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी हांसी को नहीं मिल पा रही जलभराव से निजात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

उपमंडल में गुरुवार सुबह साढ़े पांच से 12 बजे तक करीब साढ़े छह घंटे तक हुई बरसात से जहां शहरवासियों को गर्मी ओर उमस से राहत मिली लेकिन शहर में हुए जलभराव ने उनकी दिक्कतों को एक बार फिर बढ़ा दिया। वहीं बरसात से विशेष कर जीरी की फसल को अच्छा खासा फायदा होगा।

उधर साढ़े छह घंटे की बरसात ने शहर में बरसाती पानी की निकासी के लिए खर्च किए गए करोड़ों रुपये के दावों की पोल कर रख दी। बरसात के बाद शहर के अधिकांश हिस्सों मे पानी भर जाने के चलते शहर में बाढ जैसे हालात नजर आए। बरसात के बाद एक बार फिर शहर की करीब दो दर्जन से अधिक बस्तियों समेत मॉडल टाउन, एचएसवीपी सेक्टरव यति नगर जैसी पॉश कालोनियों के घरों व पुरानी सब्जी मंडी रोड़ के समीप निचली बस्तियों के घरों व दुकानों में पानी घुस गया जिससे घरों व दुकानों में जमीन पर रखा सामान खराब हो गया। वहीं सुबह बरसात और जलभराव के चलते अभिभावकों को बच्चों को स्कूल पहुंचाने में काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ा। शहर में सफाई व पानी निकासी की सही व्यवस्था नहीं होने के चलते पूरा शहर जलमग्न नजर आया। दोपहिया वाहन चालक को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रशासन के बरसाती पानी निकासी के दावों व तैयारियों की उस वक्त हवा निकल गई जब शहर करीब साढ़े 6 घंटे की बारिश के बाद शहर में हर तरफ पानी ही पानी नजर आने लगा।

हांसी। बजरंग आश्रम रोड पर जमा बरसाती पानी के बीच से गुजरता कार चालक तथा बरसात के बाद अंबेडकर चौक के समीप ऑटो मार्केट में भरा पानी। *फोटो : हरिभूमि*

बस स्टैंड परिसर में जमा डेढ़ से 2 फुट पानी

बरसात के बाद बस स्टैंड पर पानी निकासी की व्यवस्था ठप होने के कारण बस स्टैंड परिसर में करीब डेढ़ फुट पानी जमा हो गया। बस स्टैंड परिसर में पानी जमा होने के कारण यात्री बस स्टैंड पर बने बूथों तक नहीं पहुंच पाए। जिसके चलते बस चालकों को बसें बूथों पर लगाने की बजाए बस स्टैंड गेट के बाहर शहर के अंदर से गुजरने वाले राजमार्ग पर ही खड़ा कर यात्रियों को बैठाना पड़ा। सड़क पर बसों के खड़े होने के चलते बस स्टैंड के सामने सारा दिन जाम की स्थिति बनी रही। और राजमार्ग पर जाम से निजात दिलाने के ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को सारा दिन कड़ी मेहनत करनी पड़ी, इसके बावजूद भी बस स्टैंड के सामने दिन भर जाम लगता रहा।

इन क्षेत्रों में जलभराव

शहर में महिला महाविद्यालय रोड़, अंबेडकर चौक, पुरानी ऑटो मार्केट, हिसार चुंगी, वकील कालोनी, आर्य नगर, विकास नगर, रुपनगर कालोनी, चारकुतुब गेट, हाजी सराय रोड़, उमरा गेट, चारकुतुब गेट, बजरंग आश्रम रोड, भगत सिंह रोड़, श्याम बाबा मंदिर रोड, जगदीश कॉलोनी, मुल्तान कालोनी, इंद्रा कालोनी, यति नगर, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, मॉडल टाउन, श्री काली मंदिर रोड़ सहित 2 दर्जन से अधिक कालोनियों में जलभराव की स्थिति बनी रही। लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से बरसाती पानी की निकासी व सीवरेज व्यवस्था सुधारने के लिए कई लाइने डाली गई थी। इन लाइनों पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाया गया लेकिन बावजूद इसके शहर से बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं हो पा रही है।

शहीदों की याद में सेक्टर-33 में निकाली राष्ट्रध्वज यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसाइटी, सेक्टर-33 के प्रधान धर्मवीर पानू के नेतृत्व में सेक्टर-33 के निवासियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भव्य राष्ट्रध्वज यात्रा का आयोजन किया गया। यह आयोजन देश की आजादी के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक तिरंगे के सम्मान में आयोजित किया गया।

यह राष्ट्रध्वज यात्रा सेक्टर-33 के कमर्शियल एरिया से शुरू हुई, जिसमें पुरुष, महिलाएँ, युवा, बच्चे सभी ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। रंग-बिरंगे तिरंगों और देशभक्ति के नारों के साथ यह यात्रा सेक्टर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' आदि नारों से वातावरण देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया।

हिसार। राष्ट्रीय ध्वज यात्रा निकालते सेक्टरवासी एवं सोसायटी के पदाधिकारी और सदस्यगण।

लुवास में तिरंगा यात्रा का आयोजन

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि /"हर घर तिरंगा/" अभियान का उद्देश्य केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराना ही नहीं, बल्कि देशवासियों में राष्ट्रप्रेम, सम्मान और एकता की भावना को और प्रगाढ़ करना है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे 15 अगस्त तक अपने-अपने घरों और संस्थानों में तिरंगा अवश्य फहराएं और इस देशभक्ति के महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लें।

राजकीय आदर्श संस्कृति स्कूल ने निकाली तिरंगा यात्रा

हिसार। राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नलवा में तृतीय हरियाणा गर्ल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ज्ञानप्रकाश पांडे के नेतृत्व में तिरंगा रैली निकाली गई। इस रैली में 50 एनसीसी कैडेट्स, एएनओ पूनम रानी, विद्यालय के प्राचार्य कपूर सिंह लोहान सहित नलवा स्कूल के स्टाफ मेंबर्स ने भी शिरकत की। आज़ादी के महोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित इस रैली में आजादी की जीत का जश्न और तिरंगे के रंगों की झलक कैडेट्स के नारों में साफ झलक रही थी। भारत माता की जय,भारत देश अमर रहे के नारों से कैडेट्स में वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

विद्यार्थी घर-घर जाकर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित करें : प्रो. बिश्नोई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

- एनएसएस, एनसीसी तथा यूथ रेडक्रॉस क्लब के सौजन्य से निकाली तिरंगा यात्रा
- तिरंगा भारत की आन-बान और शान का प्रतीक है : कुलपति

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की एनएसएस, एनसीसी तथा यूथ रेड क्रॉस क्लब के सौजन्य से निकाली गई तिरंगा यात्रा शुभारंभ कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि तिरंगा भारत की आन-बान और शान का प्रतीक है।

आजादी के पर्व पर हम सबको अपने घरों पर तिरंगा लगाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे घर-घर जाकर लोगों को अपने घरों पर तिरंगा लगाने तथा आजादी के पर्व को उल्लास से मनाने के लिए प्रेरित करें। कुलसचिव डा. विजय कुमार ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य युवाओं में देश भक्ति की भावना को प्रबल करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित करना है।

तिरंगा यात्रा का संयोजन एनसीसी समन्वयक प्रो. राजीव कुमार तथा एनएसएस समन्वयक डा. महावीर प्रसाद ने किया। तिरंगा यात्रा कुलपति कार्यालय से आरंभ होकर सिटी गेट नंबर 3, पुराना कैंपस, बालिका छात्रावास तथा अमृता देवी सर्कल से होते हुए एनएसएस कार्यालय तक पहुंची। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. योगेश चाबा, डीन स्टूडेंटस वेल्फेयर प्रो. अनिल कुमार तथा प्लेसमेंट निदेशक डा. प्रताप सिंह, आदि भी उपस्थित रहे।

राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोता है तिरंगा : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में काफी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय एकता और सद्भावना का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा निकालने का मुख्य उद्देश्य लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना और राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना है। तिरंगा राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, उर्वशी, डॉ. विक्रम व डॉ. लोचन शर्मा मौजूद रहे।

आर्यन व आशा ने जीते स्वर्ण पदक

हिसार। जीत हासिल करने वाली मेधावी छात्राएं।

हिसार। जिले के गांव खरक पूनिया में चल रही जिला स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता में सीनियर सैकेंडरी स्कूल शाहपुर की छात्राओं आर्यन बैनीवाल तथा आशा सेन ने क्रमशः अंडर 19 आयुवर्ग तथा अंडर 14 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। आर्यन बैनीवाल ने अंडर 19 आयुवर्ग की 100 मीटर दौड़ तथा लम्बी कूद में स्वर्ण पदक जीता तथा आशा सेन ने अंडर 14 आयुवर्ग में लम्बी कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अंडर 19 वर्ग में भावना नोखवाल ने 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक प्राप्त किया। स्कूल प्राचार्या डॉ. आदर्श चौधरी व स्टाफ सदस्यों ने गांव में पहुंचने पर विद्यार्थियों की सराहना की। युवा संगठन शाहपुर के पूर्व प्रधान रणधीर सिंह बैनीवाल तथा खेल प्रशिक्षक अंग्रेज जाखड़ ने भी छात्राओं के प्रशंसा की।